

**मयूरखपी** वि. (तत्.) किरणों को पीने वाला, चकोर पक्षी।

**मयूरगति** स्त्री. (तत्.) चौबीस अक्षरों का एक वर्णवृत्त, जिसके प्रत्येक चरण में क्रम से 5 यगण के बाद मगण, यगण और भगण होता है।

**मयूरताम्र** पुं. (तत्.) बोर्नाइट खनिज जो लौह-ताम्र सल्फाइड का मिश्रण है, जो अलग-अलग कोणों से देखने पर अलग-अलग रंग का प्रतीत होता है।

**मयूर सारिणी** स्त्री. (तत्.) काव्य. मयूरी छंद, 10 वर्णों का छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रम से रगण, जगण, रगण और अंत्य गुरु होता है।

**मरंद** पुं. (तत्.) मकरंद का संक्षिप्त रूप, पुष्प का रस।

**मरक** पुं. (तत्.) 1. रहस्य 2. आकर्षण 3. तनाव, खिंचाव 4. मन में दबा द्वेष, बैर 5. प्रोत्साहन, बढ़ावा 6. संस्कृत में इसका अर्थ 'हैजा' या 'मृत्यु' है।

**मरकज** पुं. (तत्.) केंद्र।

**मरकट** पुं. (तत्.) 1. वानर, बंदर 2. मकड़ा।

**मरकत** पुं. (तत्.) हरे रंग का एक रत्न, पन्ना।

**मरकाना** स.क्रि. (देश.) दबाकर मर-मर ध्वनि उत्पन्न करना, चूर करना, तोड़ना।

**मरखना** वि. (देश.) 1. क्रोध में आकर सींग मारने वाला पशु 2. जल्दी क्रोध में आकर मार पीट करने वाला।

**मरगज** वि. (देश.) 1. मसला हुआ, मला-दला।

**मरघट** पुं. (देश.) 1. मानव-शव जलाने का स्थान चिताएं जलाने का स्थान, श्मशान।

**मरजाद** स्त्री. (देश.) 1. मर्यादा, प्रतिष्ठा 2. सीमा 3. आचार पद्धति 4. व्यवस्था, विधान 5. परम्परागत नियम।

**मरजी** स्त्री. (देश.) 1. इच्छा, कामना, चाह 2. प्रसन्नता, खुशी 3. आज्ञा, स्वीकृति।

**मरण** पुं. (देश.) मृत्यु, मौत काव्य. एक संचारी भाव।

**मरणधर्मा** पुं. (तत्.) 1. मर्त्य, मरने वाला, मरणशील 2. नश्वर, नाशवान।

**मरणशौच** पुं. (तत्.) घर के किसी व्यक्ति की मृत्यु के कारण परिवारजनों और संबंधियों को लगने वाला अशौच, सूतक।

**मरणाभास** पुं. (तत्.) 1. मरने का भाव 2. मरने का आभास होना।

**मरणोत्तर परीक्षा** स.क्रि. (तत्.) किसी की असामान्य मृत्यु पर मृत्यु के कारणों का पता लगाने के लिए मृत शरीर की जाँच, चीर-फाड़।

**मरणोपरांत** वि. (तत्.) मरने के पश्चात, मरणोत्तर।

**मरतबा** पुं. (अर.) 1. पद, पदवी 2. बार, दफा।

**मरदाना** वि. (फा.) 1. पुरुष संबंधी 2. पुरुषों का सा 3. वीरोचित, वीरतापूर्ण 4. वीर, साहसी।

**मरदुआ** पुं. (फा.) 1. मनुष्य 2. पुरुष के लिए एक उपेक्षासूचक या तिरस्कार सूचक शब्द।

**मरदूद** पुं. (अर.) 1. नीच व्यक्ति 2. दुष्ट, पापी व्यक्ति 3. तिरस्कृत व्यक्ति।

**मरना** अ.क्रि. (तत्.) 1. मृत्यु होना, जिंदा न रहना 2. वनस्पतियों आदि का मुरझाना, सूखना 3. बहुत कष्ट भोगना, परेशान होना 4. मृतःप्राय हो जाना 5. कबड्डी खेल में कुछ समय के लिए खेलने का अधिकार न रहना 6. आसक्त या मोहित होना 7. मोहरे का पिटना (शतरंज) 8. प्रभाव, चमक रहित हो जाना 9. भूख प्यास से परेशान हो जाना।

**मरमराना** अ.क्रि. (अनु.) दबने से मरमर शब्द करना, सहज ही टूट जाना।

**मरम्मत** स्त्री. (अर.) 1. टूटी-फूटी वस्तु को सुधारना, जीर्णोद्धार 2. सजा देना, पीटना।

**मरसिया** पुं. (अर.) 1. किसी मृत परंतु यशस्वी व्यक्ति की स्मृति में लिखा गया शोकगीत 2. मरण शोक, रोना-धोना।

**मरहट** पुं. (तत्.) श्मशान, मरघट।

**मरहठा** पुं. (देश.) मराठा, महाराष्ट्र का रहने वाला।